मूल्य - 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

सितम्बर - 2018

वर्ष 6, अंक 12, पृ.सं. 20

व्यस्त रहें, मस्त रहें।

मूलतः जालना (महा.) निवासी श्री जुगल किशोर मित्तल
आनन्द वृद्धाश्रम में भोजन सेवा में सहयोग करते हुए।

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
रु. 15000 /- 200 बच्चे, रु. 30,000/- 400 बच्चे, रु. 1,50,000/- 2000 बच्चे

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुल सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

फोटोग्राफी
अरविन्द शर्मा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 : RETIRED BUT NOT TIRED	04
लेख 2 : अनंत प्यार	05
आनन्द वृद्धाश्रम में विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने वाले वृद्ध आवासी	06-10
आनन्द वृद्धाश्रम के नए आवासी	11
गौरी योजना / तृप्ति योजना	12
तारा नेत्रालय	13
न्यूज ब्रीफ / विनम्र अपील	14-16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी से पीड़ित
श्री प्रदीप वेरणीकर को
उनके बिस्तर पर
भोजन खिलाते हुए श्री कालू लाल जैन

RETIRED BUT NOT TIRED

मेरे पापा आदरणीय कैलाश जी 'मानव' हमेशा एक पंक्ति कहते हैं कि Retired but not tired और ये बात उनके पास आने वाले बुजुर्गों में जोश और उत्साह का संचार करती है। पापा से मिलने आने वाले दानदाताओं में अधिकतर बुजुर्ग ही होते हैं और जब तो ये Line सुनते हैं तो बहुत खुश होते हैं। इस Line के स्रोत तो पापा के गुरु और उदयपुर में ईश्वर तुल्य माने जाने वाले आदरणीय स्व. डॉ. आर. के. अग्रवाल सा. थे। उन्होंने ना सिर्फ इन पंक्तियों को बार–बार कहा वरन इन पर खरे उतरे, रिटार्यमेंट के बाद भी डॉ. अग्रवाल सा. बहुत से अस्पतालों में जुड़कर सेवाएँ देते रहे, नारायण सेवा संस्थान के तो संस्थापक सदस्यों में आप थे ही। मैंने बचपन में देखा कि डॉ. आर.के. अग्रवाल आदिवासी गाँवों के शिविरों में जाकर बच्चों को नहलाते उनके नाखून काटते, मेडिकल कॉलेज में सर्जरी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष आदिवासी बच्चों के बीच इस तरह मस्त हो जाते मानो यही उनकी दुनिया हो। पापा भी डॉ. अग्रवाल सा. की ही तरह बिना थके उसी ऊर्जा से काम करते हैं बिना उम्र को अपने ऊपर हावी किये।

अभी एक फिल्म आई थी ''102 नॉट आउट'', मुझे लगता है कि सभी बुजुर्गों को वो जरूर देखनी चाहिये, उसमें एकदम सही बताया गया है कि आदमी Tired तो सिर्फ अपनी सोच से होता है, सोच में उमंग है तो जीवन भी उत्साह से भरा होगा और सोच में थकान है तो जिन्दगी बोझ होगी। आज के युग में जब लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं मॉर्निंग वॉक, योग प्राणायाम सब करते हैं और आधुनिक चिकित्सा ने भी जीवन को काफी बढ़ा दिया है तो फिर 60, 62 या 65 में रिटायरमेंट के बाद खुद को बुढ़ा या थका हुआ मान लेना शायद नादानी होगी। अभी थोड़े दिनों पहले एक एफ.एम. रेडियो वालों ने पार्लर वालों को बुला कर वृद्धाश्रम के महिलाओं का फेशियल, बाल कलर आदि किए तो उन सब की शर्माने वाली अदाएँ कहीं भी यह एहसास नहीं कराती थी कि वे थकी हुई हैं। वृद्धाश्रम के कालूलाल जी जैन को देखकर तो अच्छे से अच्छे जवान गशि खा जाए उनकी चाल में गति... इतना काम वो करते हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम में जो भी रहने आते हैं और अगर काम करना चाहते हैं तो उन्हें उनके योग्य कार्य अवश्य दिया जाता है। हमें पता हैं कि व्यस्तता उनकी आयु बढ़ा देगी और साथ ही उन्हें स्वस्थ भी रखेगी। वृद्धाश्रम में चल रही संगीत की क्लास भी उसी का एक हिस्सा है ताकि जो वृद्ध सिर्फ चल फिर भर सकते हों वो भी कुछ समय तो व्यस्त रहकर मन को खुशी दे सकें।

इस बार की तारांशु का Topic ही हमने ''व्यस्त रहें मस्त रहें'' दिया है, उन लोगों को समर्पित करते हुए जो वृद्धाश्रम में रहकर कार्य कर रहे हैं। उम्र में छोटी हूँ लेकिन फिर भी अनुभव से एक छोटी सी राय हमसे जुड़े हमारे परिवार के बुजुर्गों को दे रही हूँ कि आपको रिटायर तो सिर्फ इसलिए किया गया है कि आप व्यस्त रहते हुए, स्वस्थ रहते हुए, मस्त रहते हुए समाज को अपना समय दें और मैं यकीन दिलाती हूँ आप कभी भी Tired नहीं होंगे।

कल्पना गोयल

अनंत प्यार

ये तीसरा साल है जब रक्षा बंधन पर आप सभी जो हमारे डोनर हैं उन्हें राखी भेजी है, इस परंपरा की शुरूआत बस एक विचार भर से हुई थी कि हम उन सब के लिए कभी कुछ कर ही नहीं पाते जो सिर्फ ''तारा'' पर विश्वास करके अपनी मेहनत की कमाई का बहुत सा हिस्सा दान कर देते हैं। जो आपको आपके दान के बदले में फीडबैक जाता है वो तो मात्र भौतिक वस्तु है और हम अच्छी तरह जानते हैं कि आप लोगों के लिए उनके मायने बहुत नहीं हैं क्योंकि दान भावना का विषय है दान देने वाले इसलिए दान नहीं देते कि उनके पास अपार धन है वे तो इसलिए दान देते हैं कि उनका मन बहुत बड़ा है और जब मन की बात आती है तो सबसे अमीर भी गरीब हो सकता है और सबसे गरीब भी अमीर। तारा संस्थान जो भी कुछ कर रही है उसमें 80 प्रतिशत योगदान उन लोगों का है जो निम्न मध्यम, मध्यम या उच्च मध्य वर्ग के हैं और जो शेष 20 प्रतिशत भी हैं वे भी देश के जाने माने उद्योगपति नहीं हैं लेकिन ये सभी 100 प्रतिशत दानदाता मन से, भाव से अरबपति हैं। वे जो भी करते हैं उसके बदले में हम तारा परिवार या लाभार्थी क्या कर सकते हैं? ये प्रश्न अकसर मन में आता है, कभी–कभी अपने कार्यकर्ता के माध्यम से मेवाड़ी पगड़ी या श्रीनाथ जी का उपरना या छोटा–मोटा उपहार या प्रसाद कुछ भेज सके हम, लेकिन वो भी कितना, सब के घर तो कार्यकर्ता जाते नहीं हैं। इन्हीं विचारों के मंथन में दो साल पहले जब रक्षा बंधन आने वाला था तब सोचा कि आप सभी को रक्षा सूत्र भेजें, इसमें भी थोड़ा सा संशय हुआ कि आप लोगों को ऐसा ना लगे कि यह भी दान लेने का नया तरीका हो लेकिन हमने साथ में एक पत्र लिखा जो इस बात का द्योतक था कि जितनी शुद्ध भावना से आप दान देते हैं उतनी ही शुद्ध भावना हमारी इस राखी में है। पहली बार जब राखी भेजी तब से अब तक हर साल हमारे लिए यह त्योहार सबसे महत्त्वपूर्ण हो गया। अजमेर के श्री शंकर लाल जी कुमावत तो हर साल कल्पना जी से राखी बँधवाने आने लगे और आप सब के पत्र जिनमें इतना–इतना प्यार कि क्या कहें कुछ महानुभाव तो ऐसे थे जिन्होंने वर्षों बाद अपनी कलाई पर राखी बाँधी थी। आप में से अधिकतर ने यही लिखा कि हमने रक्षा बंधन के दिन हमने अपनी कलाई पर आपकी राखी भी बाँधी।

ये जो रिश्ता आपका और हमारा बना है उसमें देना लेना सब गौण हो गया है बस प्यार और विश्वास अब मूल में रह गया है। हमें लगा कि हम इस रक्षा सूत्र के द्वारा आपको थोड़ा प्यारा लौटा देंगे लेकिन आप लोगों ने पत्रों के माध्यम से दोगुना प्यार लौटा कर सिद्ध कर दिया कि दाता तो आप ही रहेंगे।

आदर सहित....

दीपेश मित्तल

आनन्द वृद्धाश्रम में विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने वाले वृद्ध आवासी

श्रीमती कविता श्रीवास्तव एक मरीज का फार्म भरवाते हुए

श्रीमती कविता श्रीवास्तव लखनऊ की है और उनकी शादी बनारस में हुई और मात्र डेढ़ साल बाद उनके पति की दुर्घटनावश मृत्यु हो गई। फिर उनका ससुराल में समन्वय नहीं बैठ पाया तो अपने पिता जी के घर लौट आई। पिता जी कुछ रूढ़िवादी थे सो उन्होंने कविता जी को कभी नौकरी नहीं करने दी लेकिन हर तरह से मदद की। पिताजी की मृत्यु के बाद कुछ समय अपने भाई के साथ रही एक दिन अकेलेपन से परेशान होकर आत्महत्या करने निकली। लेकिन फिर मन बदल गया और 3–4 साल रेलवे स्टेशनों पर ही गुजार दिए। फिर एक दिन स्टेशन पर ही नारायण सेवा संस्थान के कार्यक्रम को देख उदयपुर चली आई और उन्होंने आनन्द वृद्धाश्रम भेज दिया। वे न सिर्फ ओ.पी.डी. में रिसेप्शन पर सहायता करती हैं बल्कि शाम को वृद्धाश्रम के मंदिर में पूजा–अर्चना करके स्वयं को व्यस्त रखती हैं।

श्रीमती शांता देवी भजन गाते हुए

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु.,
01 माह - 5000 रु.

उदयपुर निवासी 60 वर्षीया **श्रीमती शांता देवी** (बीच में माईक हाथ में लिए हुए) आनन्द वृद्धाश्रम में इसी वर्ष से रह रही हैं एवं स्वयं को व्यस्त रखने हेतु न सिर्फ भजन कीर्तन करती हैं बल्कि आश्रम के रसोई घर में भी हाथ बँटाती हैं।

जिनका उत्साह खत्म हो चुका है उनसे वृद्ध कोई नहीं है।

आनन्द वृद्धाश्रम में विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने वाले वृद्ध आवासी

श्री हेमराज पौद्दार कार्य में व्यस्त

श्रीमती प्रेम पौद्दार

श्री हेमराज पौद्दार (दाएँ) : मूलतः कोलकाता निवासी श्री पौद्दार (उम्र 68 वर्ष) व्यवसायी थे फिर स्वास्थ्य समस्या के चलते उन्होंने अपना कारोबार अपने बच्चों को सौंप दिया और सन् 2014 में आनन्द वृद्धाश्रम उदयपुर चले आए तब से अब तक यहीं रह रहे हैं। इस उम्र में भी श्री एवं श्रीमती पौद्दार की दिनचर्या काफी व्यस्त रहती है। श्री हेमराज सुबह 8 बजे तारा नेत्रालय पहुँच कर काम शुरू कर देते हैं। इनके कार्य में प्रभारियों से मिलना, मरीजों के कागजात देखकर प्रविष्टियाँ करके ऑपरेशन हेतु दिनांक देना तथा ऑपरेशन पूर्व बी.पी., शुगर आदि चैक करने के लिए उन्हें नर्सिंग स्टाफ के पास भेजना होता है। फिर ऑपरेशन हेतु तय मरीजों की लिस्ट डॉक्टरों को भेज देते हैं। श्रीमती प्रेम पौद्दार भी वृद्धाश्रम के अनेक कार्यों में सदैव व्यस्त रहती हैं जैसे–भोजन प्रबंधन, वस्त्र प्रबंधन आदि।

श्री अनिल मेहरा मरीजों को क्रम से पुकारते हुए

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)
17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु.,
06 ऑपेरशन - 18000 रु.,
03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

श्री अनिल मेहरा 70 वर्षीय श्री मेहरा मूलतः अरुणाचल के निवासी हैं एवं व्यापार में घाटा होने के कारण आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। ऊपर से उम्र भी साथ नहीं दे रही थी सो अपनी माताजी के साथ सन् 2015 से आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में मजे से रह रहे हैं। श्री अनिल मेहरा भी व्यस्त रहने में विश्वास रखते हैं एवं प्रतिदिन तारा नेत्रालय में ओ.पी.डी. में सेवाएँ देते हैं। उनके कार्य मरीजों का नम्बर कॉल करके उन्हें जाँच आदि हेतु निश्चित कमरों में भेजना होता है। श्री मेहरा सुबह 8 बजे से 4 बजे तक व्यस्त रह कर अपने दिन मस्ती से गुजारते हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम में विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने वाले वृद्ध आवासी

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)

आनन्द वृद्धाश्रम के नए आवासी श्री सुरेश कुमार सक्सेना भोजन वितरण में व्यस्त

66 वर्षीय दिल्ली निवासी **सुरेश कुमार सक्सेना** एक फैक्ट्री में मैनेजर थे। फिर वी.आर.एस. ले लिया। वह एक दोस्त के साथ रहते थे लेकिन एक वृद्धाश्रम की तलाश थी ताकि बाकी समय वहाँ गुजार सके। एक दिन आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर के बारे में तारा संस्थान का प्रोग्राम देखा और जुलाई, 2018 से यहाँ प्रवेश लेकर रहने लगे हैं। यहाँ के माहौल से श्री सक्सेना संतुष्ट हैं एवं अपना समय गुजारने हेतु पढ़ाई–लिखाई करते हैं। इन दिनों रामायण पढ़ रहे हैं। साथ–ही–साथ भोजन वितरण में सहयोग करते हैं। आनन्द वृद्धाश्रम में इतनी अच्छी व्यवस्थाओं के लिए तारा संस्थान और दानदाताओं को शुक्रिया अदा करते हैं।

मुम्बई निवासी **श्री चिमन भाई मोदी** स्वयं अविवाहित होकर निःसतान हैं। श्री मोदी का कोई देखकर देखभाल करने वाला नहीं है। ऐसी स्थिति में इनके एक भाई इनको आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर छोड़कर गए। श्री मोदी भी काफी व्यस्त रहते हैं। कोई भी वृद्धाश्रम वासी बीमार पड़ जाए तो मोदी जी उनका तुरंत ख्याल रखते हैं। रात बिरात किसी को अस्पताल ले जाना पड़े तो चिमन भाई तुरंत तैयार रहते हैं एवं बीमार की तामीरदारी में कोई कसर नहीं रखते हैं। ये है मोदी जी का व्यस्त रहो, मस्त रहो का फार्मूला।

मैं कभी बुढ़ा नहीं होऊंगा। मेरे लिए, बुढ़ापा हमेशा मुझसे 15 साल बड़ा है।

आनन्द वृद्धाश्रम में विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने वाले वृद्ध आवासी

श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल
वृद्धाश्रम वासियों को योग अभ्यास करवाते हुए।

श्रीमती अग्रवाल वृद्धाश्रम की
रसोई में व्यस्त

मूलतः गाजियाबाद के निवासी दम्पति **श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल एवं श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल** आनन्द वृद्धाश्रम में बड़े खुश एवं व्यस्त रहते हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम में विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने वाले वृद्ध आवासी

श्री सुरेश भण्डारी
हारमोनियम की प्रेक्टिस करते हुए

श्री सुरेश भण्डारी अधिकाश समय पढ़ाई–लिखाई के अलावा हारमोनियम बजाने की प्रेक्टिस कर व्यस्त एवं मस्त रहते हैं।

भजन संगीत का आनन्द लेते श्रीमती सुनीता जी

जालंधर (पंजाब) निवासी 70 वर्षीया **श्रीमती सुनीता जी** यहाँ अन्य लोगों के साथ हिल मिलकर रहती है एवं सभी कार्यक्रमों में उत्साह से भाग लेती हैं। विशेष कर इन दिनों शुरू किया गया गीत संगीत व भजन के कार्यक्रम ''उमंग'' में बहुत ही आनन्द से भाग ले रही हैं।

बुढ़ा होना दु:ख की बात है, पर परिपक्व होना अच्छा है।

आनन्द वृद्धाश्रम के नए आवासी

श्री अशोक सिंह शक्तावत

श्री अशोक सिंह शक्तावत (65 वर्ष) बड़ी सादड़ी, उदयपुर के निवासी हैं। इनकी शादी के 4–5 महीने बाद ही पत्नी की मृत्यु हो गई सो इनके कोई बाल–बच्चे नहीं हैं। अशोक जी एक होटल में नौकरी करके अपना गुज़ारा चला रहे थे लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही काम करना मुश्किल हो गया और घर बैठना पड़ गया। फिर टी.वी. पर आनन्द वृद्धाश्रम का कार्यक्रम देखा तथा परिचित ने भी तारीफ की तो अशोक सिंह जुलाई, 2018 में आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में रहने चले आए। ये अब बड़े मजे से यहाँ रह रहे हैं। यहाँ की व्यवस्था अति उत्तम बताते हैं। अशोक जी व्यस्त रहने हेतु अपने पार्टनर की मदद करते रहते हैं।

77 वर्षीय **श्री इन्द्रभान कनोड़िया** जबलपुर से आकर तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में अगस्त, 2018 से रह रहे हैं। सेन्ट्रल गवर्नमेंट से रिटायर होने के पश्चात् वह परेशान थे। इनके दो बेटे हैं जिनमें से एक खेती कर जैसे–तैसे गुजारा करता है सो उसके साथ रहना इन्द्रभान ने मुनासिब नहीं समझा। दूसरे बेटे की लखनऊ में नौकरी है। बड़ी बुरी हालत में पड़े थे पर किस्मत से टी.वी. पर तारा संस्थान का प्रोग्राम देखकर यहाँ आनन्द वृद्धाश्रम में रहने हेतु आवेदन किया जो मंजूर हो गया। वे अगस्त, 2018 से यहाँ रह रहे हैं एवं अब जीवन में थोड़ा सुकुन आया है।

श्री इन्द्रभान कनोड़िया

श्रीमती कान्ता - श्री अरविन्द दुसाद

जयपुर निवासी श्री अरविन्द दुसाद (60 वर्ष) टाइम्स ऑफ इंडिया में नौकरी करते थे। लेकिन कारणवश काम छूट गया तो मुश्किल आन पड़ी। इनके तीन बेटे–बेटियाँ अच्छे जॉब में हैं। पति और पत्नी अकेले परेशान होकर कोई आसरा ढूंढ़ रहे थे कि एक दिन टी.वी. पर तारा संस्थान का कार्यक्रम देखा जिसमें आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में बताया जा रहा था। उन्होंने तुरंत फोन लगाया तो उन्हें यहाँ बुला लिया गया। अब पति–पत्नी जुलाई, 2018 से दोनों बड़े बजे से आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं एवं यहाँ की व्यवस्थाओं से अति प्रसन्न हैं। वे तारा संस्थान के दान–दाताओं के आभारी हैं।

64 वर्षीय नई दिल्ली निवासी श्री सुरेश कुमार अग्रवाल Finance का Business करते थे लेकिन किसी कारणवश वह जीवन से Frustrate (कुंठित) हो गए तो कारोबार अपने लड़के को संभला दिया। घर में पत्नी व दो लड़कियाँ भी हैं लेकिन इनका मन वहाँ नहीं लगता था। एक बार किसी परिचित ने उन्हें आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में बताया तो आवेदन करके यहाँ उदयपुर आकर रहने लगे। यहाँ बहुत मजे से रह रहे हैं एवं समय गुजारने हेतु कविताएँ लिखते हैं। श्री अग्रवाल 17 अगस्त, 2018 से यहाँ आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं।

श्री सुरेश कुमार अग्रवाल

गौरी योजना :

बच्चा एक माह का तब ही पति की मृत्यु हो गई : इंद्रा मेघवाल

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)
01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

विधवा इंद्रा मेघवाल की उम्र मात्र 22 साल है। लगभग आठ माह पूर्व उनके पति की 5–6 महीने तक चली बीमारी से मृत्यु हो गई। तभी से इन्द्रा अपनी पीहर ही माँ–बाप के साथ रह रही है। पिताजी एक हाथ से लकवाग्रस्त हैं सो ज्यादा काम नहीं कर पाते। माँ कभी–कभी छोटा–मोटा काम कर लेती है। चार सदस्यों की गृहस्थी इसी तरह मुफलिसी में ही गुज़र रही है। इंद्रा अभी अपने माँ–बाप के सहारे ही रहती है क्योंकि बच्चा छोटा होने की वजह से कोई काम नहीं कर सकती है। इंद्रा को अपने 8 माह के बच्चे के भविष्य की चिंता सताती रहती है कि कैसे उसे पालपोस कर बड़ा किया जाए। ऐसी स्थिति देख तारा संस्थान ने इंद्रा को मासिक पेंशन रु. 1000/– स्वीकृत किए हैं जिसके बच्चे का पालन पोषण व कुछ घर खर्च निकल जाता है। इंद्रा मेघवाल तारा संस्थान को बहुत–बहुत धन्यवाद अर्पित करती है।

तृप्ति योजना :

ज़िन्दा हूँ तो तारा संस्थान की बदौलत : लाभार्थी श्रीमती गंगा बाई

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

श्रीमती गंगा बाई को अपनी उम्र याद नहीं लेकिन बरसो पहले उनके पति गुज़र गए थे। उनके दो बेटियाँ एवं 1 बेटा था। पति की मृत्यु के पश्चात मुश्किलों का पहाड़ टूट पड़ा। बमुश्किल इधर–उधर मजदूरी करके तीनों बच्चों को बड़ा किया लेकिन वे भी बड़े होकर अलग हो गए। बेटा अलग रहता है। एक बेटी ससुराल में है और दूसरी शहर में पढ़ाई के साथ–साथ काम करती है। गंगा बाई बिल्कुल अकेली स्त्री गाँव में बेहाल सी रहती है। ससुराल व पीहर पक्ष से भी कोई मददगार नहीं है। बीमार पड़ जाए तो भगवान भरोसे रहती है। गंगा बाई लगभग भूख से ही मर गई होती अगर तारा संस्थान ने उनको समय पर राशन सामग्री व कुछ नकदी पिछले वर्ष से पहुँचाना शुरू नहीं किया होता। अब वह कुछ खा कर जिंदा तो है। तारा संस्थान को गंगा बाई बहुत शुक्रिया अदा करती है।

बुढ़ापा मेरी तुलना में 15 साल बड़ा है।

तारा नेत्रालय :

दान दाता जीते रहें, सदा खुश रहें : मरीज श्री बालूराम, मंदसौर (म.प्र.)

ऑपरेशन से पूर्व

ऑपरेशन के पश्चात

तारा नेत्रालयों की प्रसिद्धि न सिर्फ उनकी लोकेशन के आस–पास बल्कि दूर–दराज के गाँवों व दूसरे राज्यों तक फैली हुई है। प्रस्तुत है मध्य प्रदेश से आए एक मरीज की कहानी : केस : 70 वर्षीय श्री बालूराम, मंदसौर (म.प्र.) से यहाँ तारा नेत्रालय, उदयपुर में इलाज करवाने आए। उनके किसी परिचित ने यहाँ आने की सिफारिश की। बालूराम जी को खेतीहर किसान हैं एवं पिछले 2 साल से उन्हें एक आँख में धुंधला दिखाई दे रहा था। लेकिन लापरवाही (जो कि भारतीय ग्रामीणों की आम आदत है – बीमारी के प्रति) के चलते उन्होंने किसी अस्पताल में जाँच नहीं करवाई। लेकिन जब बात बिगड़ने लगी तो वह परिचित के आग्रह पर तारा नेत्रालय, उदयपुर में भर्ती हो गए। तत्पश्चात् उनका मोतियाबिन्द का सफल ऑपरेशन किया गया। जिसके बाद उन्हें अब स्पष्ट दिखाई देने लगा है। बालूराम कहते हैं कि उन्हें यहाँ 2 दिन रखा गया जिसमें ऑपरेशन, दवाइयों आदि का एक नया पैसा नहीं लगा। सब कुछ मुफ्त में हो गया। श्री बालूराम दानदाताओं को धन्यवाद देकर कहते हैं कि वे ''जीते रहें, सदा खुशी रहें''।

डॉ. सुबोध सराफ द्वारा 10,000 ऑपरेशन पूर्ण

तारा संस्थान के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुबोध सराफ (बीच में) ने 1 सितम्बर, 2018 तक 10,000 मोतियाबिन्द ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूर्ण किए। इस अवसर पर समस्त तारा परिवार ने उन्हें बधाइयाँ दीं, केक काटा एवं डॉ. सराफ का अभिनन्दन किया।

तारा संस्थान के संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने गये

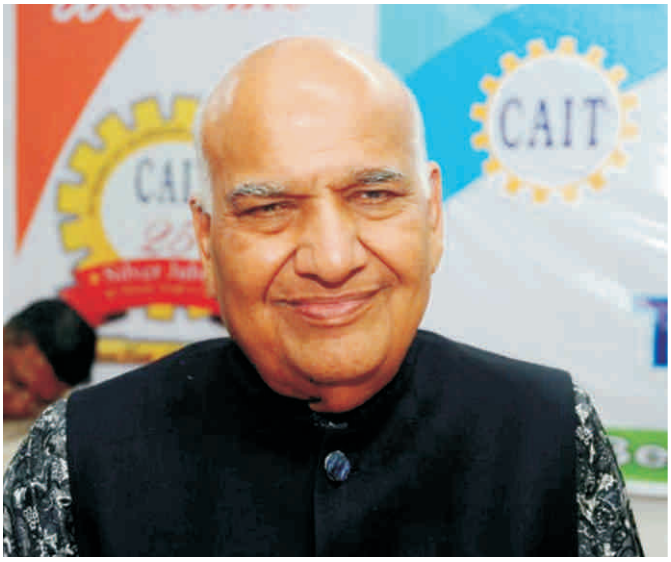

नागपुर में तारीख 19 जुलाई, 2018 को कन्फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, नई दिल्ली (कैट) की वार्षिक सामान्य सभा में वर्ष 2018–2020 के लिए श्री सत्यभूषण जैन वाईस चेयरमैन चुने गये।

श्री विष्णु शरण सक्सेना सम्मानित

समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु श्री विष्णु शरण सक्सेना को भोपाल में दिनांक 12 मार्च, 2018 को आयोजित एक कार्यक्रम में श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया।

तृप्ति योजना के कार्य क्षेत्र में विस्तार

तारा संस्थान ने तृप्ति योजना के कार्य क्षेत्र में विस्तार करते हुए गाँव – खीरावाड़ा, तहसील – सलुम्बर में 8 बुजुर्गों को लाभार्थी चुना।

शिक्षा बुढ़ापे के लिए सबसे अच्छा प्रावधान है।

07.08.2018

तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रमवासी आज शहर के निकटवर्ती नांदेश्वर महादेव के दर्शनार्थ गए। तत्पश्चात् मौज मस्ती की एवं भोजन प्रसाद का आनंद लिया।

07.08.2018

रोशनीः स्कूली बच्चों के नेत्र शिविर : जुलाई–अगस्त 2018 में आयोजित शिविरों की झलकियाँ।

08.08.2018

तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में न सिर्फ रहना, खाना आदि निःशुल्क है बल्कि वहां के रहवासी वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य का भी पूरा ख्याल रखा जाता है। इसी कवायद में पिछले माह वृद्धजनों को निकटवर्ती गीतांजलि अस्पताल में उपलब्ध मशीनों द्वारा गहन जाँचों हेतु ले जाया गया।

08.08.2018

तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों ने भी स्वाधीनता दिवस–2018 के झंडारोहण के पश्चात् बड़े ही जोश–खरोश से देश भक्ति गीत गाकार इस दिवस का आनंद लिया। उनकी खुशी दुगुनी हो गयी जब कुछ समय पश्चात, दैनिक भास्कर की टीम भी वहाँ समाँ बाँधने आ पहुँची। तत्पश्चात् सबको इस दिवस के उपलक्ष्य में मिठाई बांटी गई।

15.08.2018

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर ने 72वाँ स्वाधीनता दिवस अनेक प्रस्तुतियाँ (जैसे : पी.टी., कविताएँ, नाच व देशभक्ति से ओतप्रोत गानों) देकर मनाया।

15.08.2018

श्री विजय आनंद गुप्ता जी ने अपना जन्म दिवस आनंद वृद्धाश्रम में मनाया। दि. 15 अगस्त, 2018 को श्री विजय आनंद गुप्ता (नवयुग निर्माण योजना, दिल्ली) अपने 50 साथियों के साथ आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर में पहुंचे जहां पर तारा परिवार ने उनका भावभीना स्वागत कर सम्मानित किया। तत्पश्चात् यहाँ पर उन्होंने अपने सहयोग द्वारा निर्मित हॉल का उदघाटन किया तथा अपना जन्मदिवस भी यहीं के निवासी वरिष्ठ नागरिकों के साथ बड़े आनंद से मनाया।

न्यूज ब्रीफ - 3 :

17.08.2018

तारा संस्थान द्वारा संचालित आनंद वृद्धाश्रम के समस्त वृद्ध वासिओं ने आज एक शोक सभा आयोजित कर देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता के हृदय सम्राट (स्व.) श्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करके दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना कीं।

आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर में रक्षाबंधन पर्व पर तारा परिवार द्वारा समस्त बुजुर्गों को राखी बाँधकर प्रेम पूर्वक मिठाई खिलाकर उनका अभिनन्दन किया गया।

25.08.2018

रक्षा–बंधन की पूर्व संध्या पर तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में "द स्कॉलर्स अरिना सीनियर सैकंड्री स्कूल" के नन्हें–मुन्ने, बड़े व स्टाफ ने आश्रमवासी वृद्धजनों को राखी बाँधकर त्योहार की खुशियाँ उनके चेहरे पर चमकाई।

26.08.2018

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer

ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. 2,00,000/-

(दो लाख रुपए)

Ophthalmic Operation Table

ओफ्थाल्मिक ऑपेरशन टेबल

मरीजों के ऑपरेशन के लिए काम आता है।

कीमत रु. 90,000/-

(नब्बे हजार रुपये)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.	09 ऑपरेशन - 27000 रु.	06 ऑपेरशन - 18000 रु.
03 ऑपरेशन - 9000 रु.	01 ऑपरेशन - 3000 रु.	

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

बुढ़ापा बाकि सभी चीजों की तरह है इसे सफल बनाने के लिए ज़वानी में ही शुरुआत करनी पड़ती है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह अगस्त – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर

सौजन्यकर्त्ता :

श्री सागरमल जी चौरड़ीया – अजमेर (राज.), श्रीमती सुनीता अग्रवाल – दिल्ली,
श्रीमती चन्द्रकान्ता जी – देहरादुन (उ.ख.), श्री अशोक जी हीरावत – हैदराबाद, जय श्री कृष्णा, श्री प्रवीण जी शाह – मुम्बई

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्री रतन के. बागरी – मुम्बई, राधा–कृष्णा (शक्ति नगर) – दिल्ली 07,
श्री सुनिल कुमार, अनिल कुमार, जितेन्द्र कुमार दीवान (जैन), प्रेम टेक्सटाइल – सीकर (राज.)
श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली,
वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब – दिल्ली, मनोहरी देवी बिन्दल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) – दिल्ली

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद
चौधरी चरण सिंह स्टेडियम, निकट सी.पी.ए. पब्लिक स्कूल सदरपुर, स्वर्ण जंयती पुरम, गाजियाबाद

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 19 शिविर (देशभर में)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Miss. Kritika & Mr. Mayank Tuteja
Ludhiana (PB)

Mr. Kanu Bhai - Mrs. Anjana Ben K. Patel
Morbi (Guj.)

Mr. Tejilal - Lt. Mrs. Urmila Mishra
Jhansi (U.P.)

Mr. Ishwar Signh - Mrs. Krishna Devi Nimbiwal
Matana, Fatehabad (HR)

Mr. Dhan - Mrs. Kamal Kasliwal
Jaipur (Raj.)

Mr. Bishan Deen - Mrs. Vimla Gupta
Rampur (U.P.)

Mr. Satyanarayal - Mrs. Premlata Bansal
Ajmer (Raj.)

Mr. Rajesh Saxena - Mrs. Rajani Saxena
Moradabad (U.P.)

Mr. Janak Raj - Mrs. Prakash Monga,
Savita Sethi, ferozepur cantt (PB)

Mr. Ramnarayan - Mrs. Mithilesh Agrawal
Bareilly (U.P.)

Mr. Brij Mohan - Mrs. Mala Devi Nama
Sawai Madhopur (Raj.)

Mr. Dharmendra P. Mrs. Sharda Ben Adoroja
Sikka, Jamnagar (Guj.)

Mr. Keshavbhai - Mrs. Leelaben K. Marviya
Jamnagar (Guj.)

Mr. Banwarilal Dangayach
Mrs. Rukmani Devi Dangayach, Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Kapil Dev Singh - Lt. Mrs. Gaura Devi
Chennai (Tamil Nadu)

Lt. Mrs. Ratni Devi
Deewan, Sikar (Raj.)

Lt. Mr. Sitaram Chhabra
(Deewan), Sikar (Raj.)

Mrs. Mohini Valecha
Mumbai

Lt. Mrs. Parvati Devi
Yamunanagar (HR)

Mr. Hira Lal Nalpuriya
Hyderabad

Mr. Ratan K. Bagry
Borivali, Mumbai (MH)

Mr. B.L. Kalia
Kangra (H.P.)

Mr. Praveen Bhai Patel
Morbi (Guj.)

Mr. Subhav Patel
Morbi (Guj.)

Mrs. Renu Chhabra
Jaipur (Raj.)

Lt. Mrs. Kamla Bai
Hubli (Karnataka)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्रीमती एवं श्री जयप्रकाश गुप्ता, अजमेर (राज.)

श्री सुनील वन्दन वाधवा, मुम्बई

श्री एल.पी. माथुर ने स्व. श्रीमती शीला माथुर की स्मृति में आनन्द वृद्धाश्रम कॉरपस फंड हेतु वृद्धजन सहयोगी ''आस्था'' के अन्तर्गत दान सहयोग किया।

श्रीमती प्रभा जैन धर्मपत्नी
श्री वी.के. जैन, अम्बाला (हरि.)

श्री सुभाष जी
बारामती (महा.)

श्रीमती नीलम मुणोत
पुणे (महा.)

श्री राकेश भाटी
जयपुर (राज.)

श्री छगन लाल कोठारी
पुणे (महा.)

जो कुछ भी इंसान को हो सकता है उसमें बुढ़ापा अचानक होने वाली चीज है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai, Chennai
Cell : 07821855752

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491 .. IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank..... A/c No. 12731450000426.... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank ..... A/c No. 0169101056462 ..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India... A/c No. 3309973967 ..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank .. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank ..... A/c No. 065194600000284 .. IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. : +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Allahabad - 211022 (U.P.)
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A,
Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, सितम्बर - 2018
प्रेषण तिथि - 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273		

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे

'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे

'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org